''मर्चिसन फॉल्स,'' जिन्हें ''काबालेगा फॉल्स'' भी कहा जाता है, युगान्डा में नील नदी पर लेक क्योगा तथा लेक अल्बर्ट के बीच है। यह झरना अपना स्वरुप उस समय लेता है, जब 100 से 120 मीटर चौड़ी धारा के रुप में बहने वाली पूरी नील नदी को चट्टानों के बीच केवल 7 मीटर चौड़ी जगह में से होकर बहना पड़ता है, उस समय यह नदी अफ्रीका के सबसे उग्र झरने का रुप ले लेती है। इस समय नदी का बहाव 300 क्यूबिक मीटर प्रति सैकेण्ड हो जाता है। चट्टानों के बीच तेज रफ्तार से गुजरते हुये यह विशाल जल राशि निरंतर गर्जना करती रहती है, जिससे जमीन में भी निरंतर कंपन होता रहता है। झरने से निकलने वाली फुहारें इस क्षेत्र की वनस्पति को वर्ष भर हरा-भरा रखती हैं। मर्चिसन फॉल विक्टोरियन नाइल पर स्थित अनेक झरनों में से एक है। इसकी ऊंचाई तो ज्यादा नहीं, करीब 43 मीटर ही है, लेकिन इसका दृश्य अत्यधिक प्रभावी है। ये झरने, 3,840 वर्ग किमी क्षेत्र में फैले घास के मैदानों वाले ''मर्चिसन फॉल्स नैशनल पार्क'' का प्रमुख आकर्षण हैं। असल में यहां पर दो समानान्तर झरने हैं। झरनों तक पहुंचने से ठीक पहले नील नदी दो शाखाओं या धाराओं में बंट जाती है। दक्षिणी शाखा पर मर्चिसन फॉल्स हैं, तथा उत्तरी शाखा पर ऊरु फॉल्स, जिसमें पानी कम है। माना जाता है कि, मनुष्य इन झरनों तक सबसे पहले 61 ईसा पूर्व में पहुंचा था, जब सम्राट नीरो ने रोमन सैनिकों के एक ग्रुप को नील नदी के उद्गम की खोज में भेजा था। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि, रास्ता बहुत अधिक दुरुह होने के कारण, रोमन्स इन झरनों तक नहीं पहुंच सके और झरनों से तकरीबन 800 किलोमीटर दक्षिण में सूड के दलदलों में फंस गये थे। मर्चिसन फॉल्स तक सर्वप्रथम सैमुअल बेकर तथा फ्लॉरेंस बेकर- नाम के दो यूरोपियन्स पहुंचे थे तथा उन्होंने ही रॉयल ज्योग्राफिकल सोसायटी के तत्कालीन अध्यक्ष, सर रॉडरिक मर्चिसन के सम्मान में इन झरनों का नामकरण किया था। सत्तर के दशक में, युगान्डा के तत्कालीन राष्ट्रपति, ईदी अमीन ने, इन झरनों का नाम बदलकर, युगान्डा के पूर्व शासक, काबालेगा ऑफ बन्यरो के सम्मान में, ''काबालेगा फॉल्स'' रख दिया था। इसके बावजूद, यह नाम उतना लोकप्रिय नहीं हुआ, तथा ईदी अमीन के पद से हटने के बाद, झरनों का पुराना नाम वापस आ गया।

तृणमूल ने कांग्रेस को ''ठेंगा'' दिखाया

तृणमूल कांग्रेस के मुखपत्र ''जागो बांग्ला'' ने लिखा तृणमूल नेताओं को जब समन पर समन मिल रहे थे तो कांग्रेस ने भी कभी कोई सहयोग नहीं दिया

- **कांग्रेस के सत्याग्रह मार्च पर ''जागो बांग्ला'' ने कई तंज कसे और इसे पाखण्ड बताया।**
- **अखबार की रिपोर्ट में लिखा गया, टी.एम.सी. अपने दृष्टिकोण को लेकर स्पष्ट रुख अपनाती है। कांग्रेस ने जो विरोध प्रदर्शन करने का फैसला किया है यह अवसरवादी और डबल स्टैंडर्ड की राजनीति है।**

नई दिल्ली, 13 जून। नैशनल हैरल्ड मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी सोमवार को ई.डी. के सामने पेश हुए। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने दिल्ली में मार्च निकाला और जगह-जगह प्रदर्शन किए। कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया।

कांग्रेस के मार्च पर टी.एम.सी. के मुखपत्र जागो बांग्ला ने तंज कसा और इसे पाखंड बताया है। मुखपत्र के मुख्य पृष्ठ की हेडिंग थी, राहुल गांधी को ई.डी. का समन, कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन, अस्पताल में सोनिया गांधी। कांग्रेस ने ई.डी. के दफ्तरों के बाहर प्रदर्शन किया व सत्याग्रह मार्च निकाला लेकिन इस पूरी कवायद में उसे किसी भी विपक्षी दल का साथ नहीं मिला और ना ही किसी विपक्ष के नेता ने बयान जारी कर कांग्रेस नेताओं को अपना समर्थन जताया।

एक दिन पहले ही कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी को कोविड संबंधी दिक्कतों की वजह से अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनका स्वास्थ्य स्थिर बताया जा रहा है। ई.डी. ने उन्हें 23 जून को पेश होने का समन भेजा था। जागो बांग्ला के आर्टिकल में लिखा गया, जब उन्हें एजेंसियों का समन मिला तो कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व डर से कांपने लगा। बता दें कि राहुल गांधी से ई.डी. ने नैशनल हेरल्ड मामले में पूछताछ की।

अखबार की रिपोर्ट में लिखा गया, टी.एम.सी. अपने दृष्टिकोण को लेकर स्पष्ट रुख अपनाती है। कांग्रेस ने जो विरोध प्रदर्शन करने का फैसला किया है यह अवसरवादी और डबल स्टैंडर्ड की राजनीति है। टी.एम.सी. ने कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी पर भी तंज कसा। अखबार में लिखा गया, बंगाल में कांग्रेस के अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी जो कि पार्टी को जीरो के आंकड़े पर लेकर आए हैं, रोज ही टी.एम.सी. पर हमला करते हैं। अब वह और कांग्रेस पार्टी और क्या कहना चाहेगी?

वेणुगोपाल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सामने बैरिकेड लगाकर कांग्रेस कार्य समिति के सदस्यों तथा सदस्यों के पहचान पत्र चैक कर रही थी तथा उन्हीं लोगों को अनुमति दे रही थी, जिनके नाम पार्टी कार्यालय ने उपलब्ध कराये थे। लेकिन, जब तक पुलिस को पता चलता, तब तक बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता ए.आई.सी.सी. मुख्यालय के पीछे बने स्टाफ क्वार्टरों में होकर मुख्यालय में प्रवेश कर गये तथा उन्होंने प्रवेश द्वार तक को अवरूद्ध कर दिया।

''लंच ब्रेक'' के दौरान राहुल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रियंका गांधी राहुल के साथ पैदल गईं। प्रियंका को तो हिरासत में नहीं लिया गया, लेकिन अन्य कई वरिष्ठ पार्टी नेता तथा पदाधिकारी वहाँ सी.आर.पी.सी. की धारा 144 के तहत लागू निषेधाज्ञा के उल्लंघन पर ई.डी. कार्यालय के पास हिरासत में ले लिये गये। राहुल के साथ गये लोग, कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को झूठे तरीके से उलझाने एवं फंसाने की मोदी सरकार की कोशिश के खिलाफ ''सत्याग्रह'' पर बैठ गये। सत्याग्रह पर बैठे लोगों में कांग्रेस के सभी महत्वपूर्ण नेता शामिल थे, जिनमें दो मुख्यमंत्री, दो पूर्व मुख्यमंत्री, पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में पार्टी सांसद शामिल थे।

सैकड़ों कांग्रेस नेताओं की गिरफ्तारी हुई है। ये गिरफ्तारियाँ केवल दिल्ली में ही नहीं, बल्कि मुम्बई एवं बैंगलुरू में भी हुई। ये गिरफ्तारियाँ पार्टी द्वारा किये गये राष्ट्रीय ''सत्याग्रह'' के कारण हुईं। जैसा कि कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने रेखांकित किया है, यह नई क्रान्ति का गांधीवादी ''सत्याग्रह'' ई.डी. और पुलिस का कवच पहने हुये कायर नरेन्द्र मोदी के खिलाफ है, ठीक वैसे ही, जैसे आज़ादी से पहले अंग्रेजों के खिलाफ होता था। सुरजेवाला ने कहा कि कांग्रेस, जो संविधान को कमजोर करने वाली ताकतों से लड़ रही है, को डराया, धमकाया औरा धौंसाया जा रहा है। सुरजेवाला ने कहा, ''कायर नरेन्द्र मोदी सरकार सत्य की आवाज से भयभीत है। इसके ''इलेक्शन मैनेजमेन्ट डिपार्टमेंट (ई.डी.) ने सत्य को चुनौती दी है। सत्य को किसी आवरण की जरूरत नहीं होती। न तो इसे दबाया जा सकता है और न इसे झुठलाया जा सकता है।'' उन्होंने दृढ़तापूर्वक कहा कि राहुल के नेतृत्व में शान्तिपूर्ण एवं गांधीवादी ''सत्याग्रह'' मार्च आयोजित की जायेगी। सुरजेवाला ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल के साथ ई.डी. कार्यालय तक पैदल जायेंगे और राहुल ''झूठ की अदालत'' में प्रत्येक प्रश्न का सत्य पर आधारित जवाब देंगे। उन्होंने आगे कहा कि यह कांग्रेस का संकल्प तथा महात्मा गांधी द्वारा दिखाया गया रास्ता है।

अगली रणनीति बनाने के लिए पी.सी. सी. में रात को जुड़े मंत्री-विधायक और कांग्रेसजन

राहुल गांधी से ई.डी. द्वारा देर रात तक चली पूछताछ के विरोध में कांग्रेस में भारी विचार मंथन चल रहा है

- **प्रदेश कार्यालय में पी.सी.सी. अध्यक्ष डोटासरा ने बंद कमरे में राज्य के कार्यकर्ताओं और नेताओं के साथ बैठक की। कहा जा रहा है कि, बैठक में दिल्ली कूच की तैयारी का फैसला हो सकता है।**
- **गौरतलब है कि, राहुल गांधी आज ई.डी. कार्यालय गए थे। लंच के बाद उनसे दोबारा पूछताछ हुई जो देर रात तक चली, जिस पर दिल्ली के साथ-साथ प्रदेश कार्यालयों में विरोध की रणनीति पर चर्चा हुई।**

जयपुर, 13 जून (का.प्र.)। कांग्रेस नेता एवं सांसद राहुल गांधी को ईडी ने सोमवार को पूछताछ के लिए बुलाया था उन्हें 3 घंटे की पूछताछ के बाद लंच के बाद फिर से बुलाया गया था दूसरी बार बुलाए जाने पर देर रात तक उनसे पूछता चली।

दिल्ली के साथ ही प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में भी नेता और कार्यकर्ताओं ने अगली रणनीति बनाने के लिए बैठकर चर्चा की। इसी के तहत राजस्थान प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय जयपुर में भी मंत्री विधायकों के साथ में कांग्रेस के नेता और अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, कैबिनेट मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास, टीकाराम जूली, विधायक अमीन कागजी, रफीक खान, बोर्ड -निगमों के चेयरमैन सहित सैकड़ों कार्यकर्ता पीसीसी मुख्यालय पहुंचे, जहां प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने बंद कमरे में कांग्रेस कार्यकर्ताओं नेताओं के साथ आगामी रणनीति को लेकर चर्चा की है। बताया जा रहा है कि बैठक में कार्यकर्ताओं को दिल्ली कूच की तैयारी रखने के निर्देश दिए गए हैं। देर रात तक कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता पीसीसी में जुटे रहे। इस दौरान पीसीसी मुख्यालय के बाहर पुलिस का भी भारी बंदोबस्त रहा।

बताया जाता है कि कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता मंगलवार सुबह दिल्ली कूच कर सकते हैं। इधर, कैबिनेट मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास का कहना है कि केंद्र सरकार जुल्म और तानाशाही कर रही है। केंद्र सरकार लोकतंत्र और संविधान का अपमान कर रही है, जिसे किसी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

महाराष्ट्र व कर्नाटक में मानसून

पुणे, 13 जून (वार्ता)। अरब सागर के कुछ और हिस्सों, गुजरात के कुछ हिस्सों, पूरे कोंकण, मध्य महाराष्ट्र के अधिकांश हिस्सों, मराठवाड़ा और कर्नाटक के अधिकांश हिस्सों, तेलंगाना और रायलसीमा के कुछ हिस्सों, तमिलनाडु के कुछ और हिस्सों में, पश्चिम बंगाल के पर्वतीय क्षेत्र के कुछ हिस्सों, बिहार के कुछ हिस्सों में मंगलवार को दक्षिण पश्चिम मानसून आगे बढ़ा है। उत्तर अरब सागर के कुछ और हिस्सों, गुजरात के कुछ और हिस्सों, दक्षिण मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों, पूरे मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, कर्नाटक और तमिलनाडु, कुछ हिस्सों, विदर्भ और तेलंगाना में अगले 48 घंटों के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हैं। तेलंगाना के कुछ और हिस्सों, आंध्र प्रदेश, बंगाल की खाड़ी, ओडिशा के कुछ हिस्सों, पश्चिम बंगाल में गंगा के तटवर्ती इलाके, झारखंड, पूरे पश्चिम बंगाल के पर्वतीय क्षेत्र, बिहार के कुछ और हिस्सों में अगले दो दिन में पहुंच जाएगा।

'चौथी लहर से बचने के लिए बूस्टर डोज़ आवश्यक है'

डब्ल्यु.एच.ओ. की चीफ साइंटिस्ट सौम्या स्वामीनाथन ने कहा कि, भारत में हर चार से छह महीने में करोना का ट्रैंड बढ़ने लगता है

- **जून महीने की शुरुआत से ही करोना का ट्रैंड ऊपर की ओर दिखाई दे रहा है। भारत में रविवार को कोरोना के 8,582 नए केस सामने आए थे।**

नई दिल्ली, 13 जून। देश में एक बार फिर करोना के मामले बढ़ने लगे हैं महाराष्ट्र में इन दिनों जो स्थिति सामने आ रही है उसे देखकर करोना की चौथी लहर का डर सताने लगा है। डब्ल्यु.एच.ओ की चीफ साइंटिस्ट सौम्य स्वामिनाथन ने कहा है कि सभी देशों के लिए जरूरी है कि वे अपने नागरिकों को वैक्सीन की बूस्टर डोज दिलवाएं। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से ज्यादा उम्र वाले लोगों को तीसरी डोज लगनी बहुत जरूरी है। बूस्टर शॉट पर जोर देते हुए आई.सी.एम.आर. के पूर्व प्रमुख ने कहा, जिन लोगों में संक्रमण की आशंका ज्यादा है उनके लिए बूस्टर शॉट बहुत ही जरूरी है। उन्होंने कहा, हर 4 से 6 महीने में देखा जा रहा है कि संक्रमण बढ़ता है। भारत में भी इन दिनों लगातार संक्रमण बढ़ने लगा है। जून महीने की शुरुआत से ही ट्रेंड ऊपर की ओर दिखायी दे रहा है। भारत में रविवार को करोना के 8582 नए केस सामने आए थे। इस समय देश में ऐक्टिव केस 44,513 हो गए हैं। टॉप साइंटिस्ट ने कहा कि करोना के बढ़ते ट्रेंड के पीछ कई वजहें हैं। वैज्ञानिक ने बताया कि बीए 4 और 5 वेरिएंट तेजी से फैलता है। इसके अलावा करोना बढ़ने के पीछे लोगों को व्यवहार भी है। केस कम होते ही लोगों ने एहतियात बरतनी छोड़ दी।

सरकार द्वारा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उतार-चढ़ाव का सी.पी.आई. पर महत्वपूर्ण असर पड़ता है। सी.पी.आई. के कुल ब्यौरे का विश्लेषण किया जाए तो स्पष्ट है कि इसका वर्तमान उच्च स्तर खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि के कारण है। अध्ययन में कीमतों के लिए सभी सूचकांकों का उपयोग किया गया है। उनके अनुसार महीने के दौरान खाद्य पदार्थों की कीमतों में 18 प्रतिशत का इज़ाफा हुआ है।

किसी कीमत सूचकांक में कमी के तकनीकी बिन्दु अलग हैं, लेकिन एक आम आदमी के लिए कीमत वृद्धि की अनदेखी करना काफी कठिन है। ध्यान देने योग्य है कि कुछ सप्ताह पहले टमाटर की कीमतों ने देशवासियों को सकते में ला दिया था और अब खाद्य पदार्थों की कीमतें भी बढ़ रही है। जो कि पिछले कई वर्षों से बेहद स्थिर थीं।

खाद्य पदार्थों की कीमतें प्राय: गर्मी और मानसून के महीनों में बढ़ती हैं। संभावना है कि अब से लेकर अक्टूबर माह तक इनकी कीमतों में भारी दबाव देखने को मिलेगा, जब नई फसल कटकर बाजार में आ जाती है। खाद्य वस्तुओं की कीमतों से सर्दियों में अक्टूबर माह के बाद कमी होने के ट्रैण्ड्स दिखते हैं।

रिज़र्व बैंक ने हाल ही में अपनी बेसिक पॉलिसी इन्टरैस्ट रेट को दो बार बढ़ाकर 4.90 प्रतिशत से अधिक किया है। अत: उम्मीद है कि वह अपनी प्रतिबंधात्मक मौद्रिक नीति जारी रखेगा।

कीमत वृद्धि एक अत्यंत संवेदनशील मुद्दा है क्योंकि इससे गरीब व्यक्ति सर्वाधिक प्रभावित होता है। इसके अतिरिक्त मध्यम वर्ग भी कीमतों के ट्रैण्ड्स को लेकर उत्सुक रहता है क्योंकि जब आय नहीं बढ़ रही होती है तब उसकी जेब ढीली होती है। हालांकि, कीमतां का सामान्य व्यवहार वस्तुत: एक राजनीतिक मुद्दा है।

अटल बिहारी वाजपेयी ने मंहगाई को एक सर्वाधिक समर्थ राजनीतिक हथियार में तब्दील कर दिया था। प्याज की कीमतों को लेकर उनके द्विअर्थी संवादों मतदाताओं की पीढ़ियों को खुश किया।

भारत के लिए दूसरा सबसे बड़ा क्रूड ऑयल आपूर्तिकर्ता बना रूस

- **रूस ने क्रूड आपूर्ति के मामले में सऊदी अरब को पीछे धकेला, अब भी इराक टॉप आपूर्तिकर्ता है भारत के लिए**
- **मई के महीने में रूस ने प्रतिदिन भारत को 8 लाख 19 हजार बैरल क्रूड ऑयल सप्लाई किया है अप्रैल माह में यह आंकड़ा मात्र 27 से 28 हजार बैरल प्रतिदिन ही था।**

नई दिल्ली, 13 जून। रूस-यूक्रेन वॉर और पश्चिम देशों द्वारा रूस के खिलाफ अभियान छेड़े जाने के बाद रूस बीते मई महीने में भारत का दूसरा सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता देश बन गया है। भारत को तेल आपूर्तिकर्ता देश के रूप में रूस ने सऊदी अरब को भी तीसरे स्थान पर धकेल दिया है। हालांकि अभी भी वह इराक से पीछे है। इराक भारत को तेल आपूर्ति करने के मामले में नंबर-1 बना हुआ है।

व्यापार स्त्रोतों के आंकड़ों से पता चला है मई महीने में भारतीय रिफाइनरी कंपनियों को लगभग 819,000 बैरल प्रति दिन (बीपीडी) रूसी तेल प्राप्त हुआ, जो किसी भी महीने में अब तक का सर्वाधिक रिकॉर्ड है। अप्रैल में यह आपूर्ति लगभग 277,00 बैरल प्रति दिन थी। रूसी तेल की आपूर्ति में यह रिकॉर्ड ऐसे वक्त बना है जब यूक्रेन पर हमले के बाद रूस के खिलाफ अमेरिका समेत पश्चिमी मुल्कों की ओर से कठोर प्रतिबंध लगाए गए हैं। इन प्रतिबंधों के कारण रूस को तेल की कीमतों में रियायत देनी पड़ी। गौर करने वाली बात यह भी कि भारतीय रिफाइनरी कंपनियां जो उच्च माल ढुलाई लागत के कारण शायद ही कभी रूसी तेल खरीदने में दिलचस्पी दिखाती थीं। उन्होंने कम कीमत पर मिल रहे रूसी तेल की खरीद में रूचि दिखाई है। मई में भारत के कुल तेल आयात में रूसी ग्रेड का लगभग 16.5 फीसद हिस्सा था। रूसी तेल की खरीद में बढ़ोतरी का असर मिडिल ईस्ट के साथ-साथ बाकी मुल्कों से होने वाले आयल इम्पोर्ट पर पड़ा है। भारत में रूसी राजदूत डेनिस अलीपोव का कहना है कि रूस भारत के साथ सम्मानजनक संबंधों को बेहद तरजीह देता है। यही नहीं दुनिया के मुख्य मसलों पर दोनों देशों का रुख भी काफी हद तक एक दूसरे से मेल खाता है। मौजूदा वक्त में भी रूस की ओर से भारत को एस-400 एयर डिफेंस मिसाइल प्रणाली की आपूर्ति निर्धारित समय के अनुसार अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है। सनद रहे भारत ने भी रूस के साथ दोस्ताना रिश्तों का बेहद ख्याल रखा है। भारत ने कभी भी रूसी कार्रवाई की निंदा नहीं की है।

अमेरिका आम नागरिकों के लिए गन लाइसैंस पॉलिसी में बदलाव करेगा

- **रिपब्लिकन पार्टी के दस सांसदों ने भी सदन में लाये जाने वाले इस प्रस्ताव का समर्थन किया**
- **21 साल से कम आयु के खरीददारों की पृष्ठभूमि की जांच की जायेगी।**

वाशिंगटन, 13 जून (वार्ता)। अमेरिका में सीनेट के सदस्यों ने बंदूक पर नियंत्रण लगाने के मुद्दे पर एक प्रारूप की घोषणा किए जाने पर अपनी सहमति व्यक्त की। बी.बी.सी. ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट में जानकारी दी। इस कदम पर विचार अमेरिका में गोलीबारी की तेजी से बढ़ती घटनाओं का विरोध करने के लिए हजारों की तादात में सड़कों पर उतरे लोगों को देखते हुए किया जा रहा है। इन नए उपायों के तहत 21 साल से कम उम्र के बंदूक खरीददारों की पृष्ठभूमि की कड़ी से कड़ी जांच की जाएगी और अवैध रूप से बंदूक की खरीद पर नकेल कसा जाएगा।

इस प्रस्ताव को रिपब्लिकन पार्टी के दस सांसदों का समर्थन मिला, जो काफी मायने रखता है। इसका मतलब यह है कि अब प्रस्ताव को पारित करने और इसे कानून का रूप देने के लिए मतदाताओं की पर्याप्त संख्या है।

इससे पहले राष्ट्रपति जो बाइडेन भी अमेरिकी कांग्रेस से हथियारों पर प्रतिबंध लगाने, खरीद से पहले बैकग्राउंड की जांच को और पुख्ता बनाने और प्रभावी बंदूक नियंत्रण उपायों को लागू करने का आग्रह कर चुके हैं।

दो हजार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के लिये, जिससे नेशनल हैरल्ड केस में गांधी परिवार के गलत कामों की जांच रुक जाये, ''सत्याग्रह'' करने के लिये कांग्रेस की निन्दा करते हुये, ईरानी ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी तथा उनके बेटे राहुल की यह कलई खुल गई है कि उनके द्वारा दान के लिये स्थापित की गई फर्म यंग इंडिया ने 2010 से 2016 तक के छ: वर्षों में दान जैसा कुछ नहीं किया, और यह रीयल एस्टेट व्यवसाय कर रही है।

ई.डी.ने लगभग ग्यारह घंटे राहुल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कुचलने के एक प्रयास के तहत सभी जगह पुलिसकर्मी तैनात किए गए। बघेल ने कहा कि ''विरोध प्रदर्शन करना विपक्षी पार्टी का लोकतांत्रिक अधिकार है और भाजपा उसे कुचलने की कोशिश कर रही है। सोनिया गांधी जब ई.डी. के समक्ष उपस्थित होंगी तब इससे भी बड़ा विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।'' उन्होंने आगे कहा कि ''दिल्ली पुलिस चाहे कितनी भी बैरिकेडिंग करे, वह कितनी ही कोशिश कर ले, जीत सच्चाई की होगी। भाजपा नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार सिर्फ तानाशाही कर रही तथा देश के कानून का पालन नहीं किया जा रहा। यदि आप ई.डी. ऑफिस के बाहर आकर खड़े हो गए हैं तो पुलिस आपको गिरफ्तार कर लेगी।''

चौधरी ने अपनी शिकायत में कहा कि ''मैं शांतिपूर्ण तरीके से ई.डी. ऑफिस जा रहा था कि दिल्ली पुलिस ने मेरे साथ बुरी तरह से हाथापाई की। पुलिस अत्याचारों के दौरान मेरे ऊपरी जबड़े में चोट लग गई। कांग्रेस संवाद विभाग के प्रमुख रणदीप सुरजेवाला ने एक प्रैस कॉंफ्रैंस को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस ने कांग्रेस के कई नेताओं को उनके घरों से बाहर निकलने नहीं दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने दिल्ली में एक ''अघोषित आपातकाल'' लगा दिया है और आरोप लगाया कि पार्टी के हजारों कार्यकर्ताओं व नेताओं को गिरफ्तार किया गया है या नज़रबंद कर दिया गया है। उन्होंने पत्रकारों से कि ''मोदी सरकार ने दिल्ली में एक अघोषित आपातकाल लागू कर दिया है। और हजारों बैरिकेड्स लगा दिए गए हैं, तथा गत रात्रि के बाद से हमारे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है। हम उस प्रत्येक प्रश्न का उत्तर देंगे जो चुनाव विभाग और कठपुतली ई.डी. हमसे पूछेंगे।'' उन्होंने आगे कहा कि झूठ और अत्याचार के विरूद्ध कोर्ट में सच्चाई की जीत होगी। सुरजेवाला ने यह भी आरोप लगाया कि गोडसे के वंशज एक बार फिर गांधी और उनके वंशजों को चुनौती दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि ''ना तो गोडसे गांधी को मार सका और ना ही उसके वंशज आज उसकी विचारधारा को मार सकेंगे।'' उन्होंने प्रश्न किया कि ''राहुल गांधी के ई.डी. ऑफिस जाने से पूर्व हजारों पुलिसकर्मी मध्य दिल्ली में क्यों तैनात किए गए हैं। क्या मोदी सरकार को कोई खतरा है? आप क्यों डरे हुए हैं?'' उन्होंने आरोप लगाया कि ''भीरू और कायर'' मोदी सरकार सच्चाई की आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है। तथापि कांग्रेस ने इसे लेकर राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय किया था, जो एक शक्ति प्रदर्शन के रूप में योजनाबद्ध था। अन्य राज्यों के अलावा मध्य प्रदेश, असम, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और केरल में भी विरोध प्रदर्शन किए गए।

शरद पवार विपक्ष के राष्ट्रपति पद के सर्वसम्मत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अरविन्द केजरीवाल की आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संजय सिंह ने भी फोन किया था।

खड़गे ने भी महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे तथा तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन से इस विषय में बातचीत की थी।

कांग्रेस नेता ने कल बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से भी बात की थी, जिन्होंने बुधवार को दिल्ली के कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में विपक्ष की एक मीटिंग बुलाई है। मीटिंग में राष्ट्रपति चुनाव के लिये संयुक्त रणनीति पर चर्चा होगी।

पवार, जो देश के वरिष्ठतम राजनेताओं में से एक हैं, कई गठबंधनों तथा मिली-जुली सरकारों को तोड़ने के लिये प्रसिद्ध रहे हैं।

उन्होंने भाजपा को विफल करने के लिये सैद्धान्तिक रूप से विरोधी दलों, जैसे शिवसेना, एन.सी.पी. तथा कांग्रेस को एक साथ लाकर महाराष्ट्र के सत्तारूढ़ गठबंधन का निर्माण करने में स्वयं के कुशल राजनीतिज्ञ होने का परिचय दिया था।

भाजपा ने इस चुनाव के परिदृश्य से संबंधित सभी पार्टियों के साथ चर्चा करने तथा उन्हें सर्वसम्मति की तरफ लाने के लिये पार्टी प्रमुख जे.पी. नड्डा तथा केन्द्रीय मंत्री राजनाथ सिंह को अधिकृत कर दिया है।

2017 में, भाजपा ने विभिन्न दलों से सम्पर्क करने की जिम्मेदारी राजनाथ सिंह तथा वेंकैय्या नायडू को सौंपी थी। बाद में, वेंकैय्या नायडू उपराष्ट्रपति पद के लिये एन.डी.ए. के उम्मीदवार बना दिये गये थे।

अगर सर्वसम्मति नहीं बन पाती है तो भाजपा चुनाव की तैयारी करेगी। कई नामों की अटकलें लगाई जा रही हैं लेकिन भाजपा ने किसी नाम की पुष्टि नहीं की है।

राष्ट्रपति चुनाव मतदाता-मण्डल पर आधारित होता है जिसमें विधायक एवं सांसद शामिल होते हैं। करीब 4,809 निर्वाचक जिनमें सांसद और विधायक- दोनों ही शामिल हैं, नये राष्ट्रपति के लिये वोट डालेंगे।

प्रत्येक विधायक के वोट का मूल्य संबंधित राज्य की जनसंख्या तथा विधानसभा सीटों की संख्या पर निर्भर होता है। मतदाता-मण्डल की कुल स्ट्रैंथ 10,86,431 है। जिस प्रत्याशी को 50 प्रतिशत से अधिक वोट मिल जायेंगे, वह जीत जायेगा। भाजपा एवं मित्र दलों के कुल वोट बहुमत के आँकड़े से 13,000 कम हैं। 2017 में, सत्तारूढ़ गठबंधन को के. चन्द्रशेखर राव की तेलंगाना राष्ट्र समिति (टी.आर.एस.), जगन रेड्डी की वाई.एस.आर. कांग्रेस तथा ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की बी.जे.डी. का समर्थन प्राप्त था। लेकिन इस बार चन्द्रशेखर राव या के.सी.आर. भाजपा का मिलकर सामना करने के लिए विपक्ष को एकजुट करने के लिए बढ़-चढ़ कर प्रयास कर रहे हैं।

'चिदम्बरम और ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

धक्का मारा कि पूर्व वित्त मंत्री चिदम्बरम का चश्मा जमीन पर गिर गया। सुरजेवाला ने लिखा, ''मोदी सरकार बर्बरता की हर हद पार कर गई। पूर्व गृह मंत्री, पी.चिदंबरम के साथ पुलिस की धक्का-मुक्की हुई, चश्मा जमीन पर फेंका, उनकी बांयीं पसलियों में हेयरलाइन फ्रैक्चर है। सांसद प्रमोद तिवाड़ी को सड़क पर फेंका गया। सिर में चोट और पसली में फ्रैक्चर है। क्या यह प्रजातंत्र है?'' इससे पहले देश की मुख्य विपक्षी दल ने यह दावा भी किया कि राहुल गांधी की ई.डी. के समक्ष पेशी पर पार्टी के 'सत्याग्रह' को रोकने के लिए केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने नई दिल्ली इलाके में 'अघोषित आपातकाल' लगा दिया।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908